खबर संक्षेप

रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 27 नवंबर को होगा

मण्डला। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडला ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय, जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडला द्वारा संयुक्त तत्वाधान में 27 नवंबर 2024 को प्रातः 11 बजे से नगर पालिका टाउन हाल मंडला में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को प्रतिष्ठित कंपनियों के द्वारा रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान किये जायेंगे। साथ ही उद्योग विभाग द्वारा स्वरोगार के अवसर भी प्रदाय किये जायेंगे। मेले में 8वी, 10वी, 12वी, आईटीआई पास, डिग्री/डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं। मेले में शामिल होने के लिए अपने मूल दस्तावेज एवं शैक्षणिक बायोडाटा के साथ उक्त दिनांक को उपस्थित होवें।

दस्तावेजों का परीक्षण 25 से 29 नवंबर तक

मण्डला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा तथा संबंधित अन्य याचिकाओं में पारित आदेश 5.11.2024 एवं 21.11.2024 के परिपालन में समस्त याचिकाकर्ताओं जिन्होने कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 के अंतर्गत ए.एन.एम. (महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता) की सीधी भर्ती हेतु आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की है और उनका नाम मेरिट में है। उन्होंने इस नियुक्ति संबंधी नियमानुसार निर्णय लिये जाने हेतु दस्तावेजों के परीक्षण के संबंध में 25 नवंबर 2024 से 29 नवंबर 2024 के बीच कार्यालयीन समय में मण्डला जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष समस्त यथोचित दस्तावजों एवं न्यायालय निर्णय के सर्टिफाईड कॉपी के साथ उपस्थित होने को कहा है।

धीमी-धीमी चलती बसें बनती यातायात अवरोध का कारण

नगर के लिये समस्या बना बस स्टैण्ड

*** रोजाना दिन में सैकड़ों बार बनती जाम की स्थिति।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगर स्थित बस स्टैंड के सामने स्थित सड़क पर दिन भर बसों की आवाजाही से भारी यातायात जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बसों का रुक-रुककर चलना और लगातार खड़ी होती बसें यातायात को और अधिक प्रभावित करती हैं। एक बस के रवाना होते ही दूसरी बस खड़ी हो जाती है, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग जाता है।

मांग यह है कि बसों की गति धीमी होने के कारण बिझिंया चौराहा तक पहुँचने में उन्हें बहुत समय लग जाता है, जिससे पीछे आ रही बसों के यात्री परेशान हो जाते हैं। कभी-कभी तो दो-तीन बसें सड़क पर खड़ी हो जाने से यातायात पूरी तरह से बाधित हो जाता है। इस समस्या के कारण सड़क के किनारे बसों को पार्क भी किया जा रहा है, जो ना केवल यातायात को और अधिक प्रभावित करता है बल्कि स्कूलों के बच्चों के लिए भी खतरा बनता है।

बस स्टैंड क्षेत्र में भारत ज्योति स्कूल, निर्मिला स्कूल और वरिष्ठ मूल शाला जैसे बड़े स्कूल स्थित हैं। इस भीड़-भाड़ में बच्चों का आना-जाना कठिन हो जाता है। इसके अतिरिक्त, सड़क के किनारे स्थित दुकानें भी अपनी दुकानों के सामने जगह कब्जा कर गाड़ियां पार्क करती हैं, जिससे यातायात में और भी रुकावट उत्पन्न होती है।

यह एक गंभीर समस्या बन चुकी है और इसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। संबंधित अधिकारियों से अपील है कि वे इस समस्या को प्राथमिकता से हल करें ताकि मण्डला की जनता को राहत मिल सके और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बस स्टैण्ड को स्थानांतरित करने की मांग

वर्तमान बस स्टैण्ड का जिस समय निर्माण हुआ होगा उस समय न तो आसपास इतनी बसाहट थी और न ही वाहनों की इतनी बड़ी संख्या। अब परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं एक बस भी यदि मुख्य मार्ग से बस स्टैण्ड के अंदर मुड़ रही होती है तो जाम की स्थिति बन जाती है ऐसा दिन में सैकड़ों बार होता है और फिर रेंग-रेंगकर जो बसें बस स्टैण्ड से बिंझिया तिराहे तक जाती हैं तो लोगों का परेशान होना स्वाभाविक है यही कारण है कि अब बस स्टैण्ड को यहां से किसी और स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग प्रबल होती जा रही है। पहले इसे तिंदनी चटुआमार के पास निर्माण किया जाना प्रस्तावित हुआ था लेकिन भूमि की उपलब्धता सुगम नहीं हो सकी लिहाजा मामला ठण्डे बस्ते में चला गया लेकिन हाल ही में पदमी क्षेत्र के लोगों ने एक ज्ञापन शासन-प्रशासन को दिया है जिसमें खड़देवरी में बाईपास के समीप लगभग साढ़े सात एकड़ भूमि शासकीय मौजूद है जिस पर बस स्टैण्ड का निर्माण किया जा सकता है और यह स्थान बस स्टैण्ड के लिये इतना अधिक उपयुक्त है कि यहां से रायपुर की ओर, सिवनी नागपुर की ओर, डिण्डौरी अमरकटंक की ओर और जबलपुर की ओर जाने के मार्ग खुले हुये है। नर्मदा नदी में पुल बन जाने से यह मण्डला एवं महाराजपुर क्षेत्र से भी करीब हो गया है यहां बस स्टैण्ड बन जाने से नर्मदा के इस पार के क्षेत्र का ही विकास सुनिश्चित हो जायेगा जो कि अभी सिर्फ जबलपुर की ओर जाने वाले मार्ग तक ही सीमित था।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन के निराकरण में बेहतर प्रदर्शन करने पर अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाईन के अक्टूबर माह में हुए 90 प्रतिशत से अधिक निराकरण के लिए 21 विभागों के अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी लगातार शिकायत निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, सहायक कलेक्टर आपिक खान, समस्त एसडीएम सहित संबंधित उपस्थिति थे।

अक्टूबर माह में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में हुए 90 प्रतिशत से अधिक निराकरण में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, जिला आयुष अधिकारी डॉ. गायत्री आहके, जिला आपूर्ति अधिकारी मनोज पुराविया, जिला खेल अधिकारी रविन्द्र ठाकुर, सहायक संचालक मत्स्योद्योग एलएस सैयाम, जिला प्रबंधक लोकसेवा कविता गुप्ता, अधीक्षण अभियंता, ऊर्जा विभाग अयुब खान, जिला योजना अधिकारी क्षमा सराफ, ग्रामोद्योग विस्तार अधिकारी एसके डेकाटे, अग्रणी शाखा प्रबंधक सुजय कुमार, जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे, कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर, प्रभारी खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य, जेल अधीक्षक संजय सहलाम, उप संचालक पशु चिकित्सा उग्रसेन तिवारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी निवास शिवासिंह लोधी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिछिया लक्ष्मण सिंह सारस, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मंडला एवं नैनपुर विनोद कुमार मरावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बिछिया आरके मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मवई भागचंद टिमरिया को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों का संतुष्टि के साथ निराकरण कर जिले की रैंकिंग बेहतर करें-सोमेश मिश्रा

मण्डला। समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों का संतुष्टि के साथ निराकरण कर जिले की रैंकिंग बेहतर करें। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करें। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और श्रम विभाग सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण को अपनी प्राथमिकता में शामिल करें। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाईन के 90 प्रतिशत से अधिक निराकरण करने वाले अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि शिकायत निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें। उन्होने कहा कि जिन विभागों ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण नहीं किया है उन विभागों पर जुर्माना की कार्यवाही करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उच्च न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक प्रकरणों पर निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उर्वरक उपलब्धता एवं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने अनुकम्पा नियुक्ति शिविर, धरती आभा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

नारायणगंज में मतदाता स्पीक जागरूकता कार्यक्रम

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार विकासखंड के सभी हाई स्कूल प्रिंसिपल लोगों की बैठा के ली गई जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा के समक्ष वाद विवाद चित्रकला रंगोली प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता स्लोगन जैसी अन्य कई प्रतियोगिताएं कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल नारायणगंज में संपन्न हुई कन्या हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसमें कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य श्रीमती वंदना गुप्ता बालक हाई स्कूल नारायणगंज की प्रिंसिपल श्रीमती रेणु बहन पुष्पेंद्र सोनी भगवती प्रधान विवेक कुमार सूर्यवंशी पवन अहिरवा मुकेश नायक एवं समस्त हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों का सहयोग रहा।

श्रद्धांजलि | गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों की वीरगाथाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

बरगद के ऐतिहासिक वृक्ष को किया जायेगा संरक्षित

*** गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि गढ़ मण्डला के क्रांतिवीरों ने 1857 स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में आजादी के लिए अंग्रेज सरकार से कड़ा संघर्ष किया था। अंग्रेज सरकार के द्वारा इन क्रांतिवीरों को बड़ चौराहा मंडला में फांसी पर चढ़ाया गया। जिससे इन क्रांतिवीरों की आजादी की चिंगारी को दबाया जा सके। इसके बावजूद भी गढ़ मंडला के क्रांतिवीर अंग्रेजों से अंतिम सांस तक युद्ध करते रहे। उन्होंने कहा कि इन क्रांतिवीरों को स्मरण करते हुए लालीपुर चौराहा से बस स्टेंड, चिलमन चौक से बड़ चौराहा तक मशाल यात्रा निकाली गई है। जिससे गढ़ मंडला में शहीद हुए क्रांतिवीरों को श्रद्धांजली दी जा सके। इस मशाल यात्रा में जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, पत्रकार सहित नागरिकगण शामिल हुए हैं। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रविवार को बड़ चौराहा मण्डला में स्वाधीनता संग्राम 1857 गढ़ मंडला के क्रांतिवीर पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, प्रफुल्ल मिश्रा, नगर अध्यक्ष नितिन चौरसिया, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, पत्रकारगण और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने स्वतंत्रता संग्राम 1857 गढ़ मंडला के क्रांतिवीर पुण्य तिथि के अवसर पर बड़ चौराहा में क्रांतिवीरों के लिए दीप जलाए। उनकी वीरगाथाओं को स्मरण करते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया गया। उनकी स्मृति में स्थानीय कलाकारों के द्वारा देशभक्ति के गीत गाए गए। भारत माता की जय, शहीद क्रांतिवीर अमर रहे और वंदे मातरम के नारे लगाए गए। इस अवसर पर बड़ चौराहा में शहीद क्रांतिवीरों को स्मरण करते हुए दीप प्रज्वलित व मौन धारण कर श्रद्धांजली दी गई है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों ने हमेशा आजादी के लिए लड़ाईयाँ लड़ी हैं। उन्होंने बताया कि रानी मां दुर्गावती ने मुगलों के साथ युद्ध किया। राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, रानी अवंती बाई और रानी फूलकुंवर बाई ने अंग्रेजों से आजादी की लड़ाईयां लड़ी हैं। उनकी वीरगाथाओं को आने वाली पीढ़ी हमेशा स्मरण करेगी।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम 1857 की लड़ाई में गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। अंग्रेज सरकार ने गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों को बड़ के पेड़ में फांसी पर चढ़ाया। जिससे आजादी की इस लड़ाई को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भी गढ़ मंडला के क्रांतिवीर आजादी की लड़ाई के लिए अंग्रेजों से लड़ते रहे और वीर गति को प्राप्त होते रहे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि इस बड़ के पेड़ को जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के माध्यम से संरक्षित किया जाए। उन्होंने इस स्थान को सुरक्षित रखने के लिए एक चबूतरा का निर्माण करने को कहा। इन क्रांतिवीरों की वीरगाथाओं को पाठ्यपुस्तक में शामिल करने को कहा, जिससे 1857 की लड़ाई में भागीदारी करने वाले क्रांतिवीरों के बारे में आने वाली भावी पीढ़ी को जानकारी हो सके। उन्होंने कहा कि गढ़ मंडला के क्रांतिवीरों की इस वीरगाथा को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जो कि गढ़ मण्डला के क्रांतिवीरों की सजीवता को प्रदर्शित करता है।

रामा परते ने 100 मीटर 400 मीटर और 800 मीटर में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

10वीं स्व डॉक्टर एलेन पैट्रिक जॉर्ज मेमोरियल मध्य प्रदेश जबलपुर कॉरपोरेशन स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24/11/2024 को जबलपुर में आयोजित हुआ जिसमें मंडला जिले के विकासखंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के पोषक ग्राम सकरी की रहने वाली मंडला जिले की आदिवासी शेरनी व जिले की शान नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप खिलाड़ी रामा परते ने 100 मीटर 400 मीटर और 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल हासिल की तथा उन्होंने 10 वर्षों से दौड़ में गोल्ड मेडल गोल्डन गर्ल का किताब जीतते आ रही है तथा नेशनल में अपना रिकॉर्ड बनाया है तथा इनकी इसी उपलब्धियां को देखते हुए खेल विभाग तथा जबलपुर संस्कारधानी महाकौशल खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जिसमें विक्रम अवार्ड परमजीत सिंह मुख्य संरक्षक मिस्टर वर्ल्ड अनुज कुमार, डॉक्टर जोलन पैट्रिक, जोधा सिंह, एम जॉर्ज, कोषाध्यक्ष जोधा सिंह, सचिव व जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र ठाकुर, मास्टर एथलेटिक्स मण्डला के अध्यक्ष सुश्री मिली सिंह, नारायण प्रसाद भवेदी वरिष्ठ अध्यापक, दीपक परते, अशोक वरकडे, टिर्रु लाल परते, भैया लाल वरकड़े, राम भजन परते, नंदू लाल परते, समाजसेवी हीरा सिंह उइके, सीताराम उइके, मिश्रीलाल भवेदी, मदन मरावी, कमलेश परते, रवि परते, सेवक राम वरकड़े, बसंत बैरागी, यशवंत बैरागी सहित क्षेत्र के समस्त शुभचिंतकों व खेल प्रेमियों ने नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप खिलाड़ी रामा परते को बधाई तथा शुभकामनाएं दिए।

खबर संक्षेप

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना, अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूरत बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने के साथ उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगा है? जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यो को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचातयों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कार्यकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुये दिखाई देने से नही चूकते है? यदि पंचायतों में शासन द्वारा विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायत जहां धन राशि के आभाव से जूझ रही है तो अनेक पंचायत इस प्रकार की भी देखी जा रहा है जिनमें में प्रभावशाली वरिष्ठ अधिकारियों की कृपा दृष्टि होने के चलते उन पंचायतों को अनाप शनाप राशि आवंटित हो जाती है और पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस राशि से जिस प्रकार का विकास किया जाता है उस विकास कार्य की उम्र सिर्फ पत्थरों में नाम लिखे जाने तक ही बनी हुई दिखाई देते हुए देखी जा रही है? इतना रही नही जिन पंचायतों को मनमानी धनराशि प्राप्त हो जाती है है उनके अधिकांश पंचायत जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के समग्र विकास में रूचि न लेते हुए केवल अपने परिजनों, नजदीकी नाते रिश्तेदारों को उपकृत करने का ही काम किया जिसके चलते पंचायत का विकास कम और पंचायत प्रतिनिधियों का विकास होते हुए ज्यादा दिखाई दे रहा है। इस प्रकार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों द्वारा जिस प्रकार से पूर्व के समय में तालाब सड़के आदि बनवाने कार्य किया गया है उन कार्यो में सिर्फ शासन की राशि बर्बाद होने के नजारे ही दिखाई पड़ रहे है? क्योंकि अनेक पंचायतों द्वारा ऐसी जगहों पर तालाब खुदवाये गये है जहाँ गर्मी तो ठीक बरसात में भी पानी नहीं रूकता क्योंकि यह स्थल ऊँचाई वाले क्षेत्र में हैं। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि राजीव गाँधी जलग्रहण योजना के तहत जल का स्तर ऊँचा उठाने में भी कुछ इसी प्रकार की सच्चाई देखने मिलने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के विकास कार्यो को पास करते हुए पंचायतों को ओके रिर्पोट पेश करना जहां अधिकारियों की कार्य शैली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाते हुए जान पड़ रहा है?

शिक्षकों की अपडाऊन प्रणाली से अध्यापन कार्य प्रभावित

सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है। वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है। वही शासकीय में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, इस कारण से कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है। जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है, ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है।

वाह्शौच मुक्त घोषित जिले में गांव गांव फैल रही गंदगी की ओर ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार अधिकारी

गन्ना काटने के लिये आये बाहरी लोगों को किसी भी प्रकार के प्रबंध नही होने से ओडीएफ व्यवस्था को लग रहा ग्रहण.., शौचालय निर्माण कार्यों की जांच हुई तो हो सकते है अनेक अधिकारी बेनकाब..?

गाडरवारा

जिस प्रकार से देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत का सपना संजोकर इस देश को डिजीटल बनाने की कल्पना की गई है उसे संबंधित विभाग के ही अधिकारियों द्वारा चूना लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? क्योंकि देश के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वच्छ भारत का सपना पालते हुये स्वच्छ भारत व स्वास्थ्य भारत की शुरूआत की गई थी उसी के चलते प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में पक्के शौचालयों का निर्माण कराने के लिए करोड़ो की राशि खर्च कर डाली है। मगर यदि इसकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह मुहिम मात्र अधिकारियों की उदासीनता व मिली भगत के चलते कागजों पर ही दिखाई देने के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूक पा रही है? जिसका उदाहरण इस समय हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से देखने मिल सकता है। जहां पर बीते हुये लगभग सात वर्ष पहले यहां के अधिकारियों द्वारा संपूर्ण जिले को बाह्शौच घोषित कराते हुए प्रदेश की सूची में शायद सबसे पहले बाह्शौच घोषित होने वाले जिले के नाम पर प्रथम स्थान पा लिया गया होगा? मगर यदि उसकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक गांवों में लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण अभी तक नही हो पाया है और जिन लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण हुआ है वह शौचालय टूटते हुए अपने निर्माण में की गई गफलबाजी की सच्चाई को स्पष्ट करने से नही चूक पा रहे है..? यह बात अलग है कि कुछ साल पहले जब अधिकारियों द्वारा जिले को प्रदेश में सबसे पहले शौचमुक्त कराने के लिए रात दिन एक करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। वही दूसरी ओर पंचायतों में हुये शौचालयों के निर्माण को लेकर भी अधिकारियों द्वारा अचानक पहुंचकर उनका निरीक्षण किया जा रहा था। मगर यह निरीक्षण मात्र उनकी औपचारिकता की दिखाई दे रही थी? क्योंकि अधिकारियों को किसी भी प्रकार से जिले को बाह्शौच मुक्त कराने के लिए टारगेट दिया गया था उसके चलते अधिकारियों ने निर्मित हुए शौचालयों की न तो गुणवत्ता देखी गई थी और न ही इस बात का ध्यान रखा गया था कि लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण हो भी रहा है कि नही सिर्फ कागजों पर ही निर्मित हुये शौचालयों के आधार पर जिले को बाह्शौच मुक्त घोषित कराया गया था उसकी सच्चाई गांवों में खुलेआम दिखाई दे रही है और जहां पर आज भी लोगों को खुले मैदानों में शौच करने के लिये जाते हुये हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर रही सही कसर इस समय गन्ना की कटाई करने के लिये आने वाले लोगों द्वारा पूरी की जा रही है जिनके लिये संबंधित विभाग द्वारा शौच जैसी जरूरी व्यवस्थाओं के लिये कोई प्रबंध नही किये जाने के कारण ओडीएफ जिला गंदगी से भरपूर दिखाई देने लगा है? इस तरह शासन द्वारा लोगों के घरों में पक्के शौचालयों के निर्माण हेतु प्रत्येक हितग्राही के नाम पर लगभग 13 हजार रूपया से अधिक की राशि खर्च की गई है तथा शौचालयों के निर्माण पर निर्धारित माप दंड तय करते हुए उनके निर्माण का जिम्मा सौपा गया था, मगर गांवों में बनाये गये शौचालयों की सच्चाई को देखने से यह जान पड़ रहा है कि शासन की इस राशि को खुलेआम बर्बाद करते हुए शौचालय निर्माण की नाम पर औपचारिकता ही निभाई गई है? वही अनेक पंचातयों में निर्मित हुये शौचालयों की सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि एक ही गड्डे पर जहां दो दो शौचालयों का निर्माण करते हुए गिनती के हिसाब से दो शौचालयों का निर्माण कर दिया गया है जिसे जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पूर्ण रूप से नजर अदांज किया गया है? जबकि शासन के माप दंड के अनुसार एक शौचालय के निर्माण में दो गड्डो का होना जरूरी माना जाता है और शौचालय निर्माण को लेकर यही शासन का आदेश है? मगर इसके बाद भी गांवों में शौचालयों का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा एक शौचालयों में दो गड्डो बनाना तो दूर की बात दो शौचालयों को एक ही गड्डे पर खड़ा कर दिया गया है। इस प्रकार से दो शौचालयों के बीच तीन गड्डे गायब करते हुए उनमें लगने वाली धनराशि का खुलेआम बंदर बांट होने के बाद भी जिला से लेकर पंचायत स्तर पर पदस्थ शासकीय कर्मचारियों से लेकर उन्हें पास करने वाले इंजीनियर तक अपनी आंखे बंद किये हुए गुणवत्ता पूर्ण निर्माण होने का ठप्पा लगाने से नही चूकेगे थें। इस प्रकार से शौचालयों के निर्माण में बरती गई गफलत बाजी की सच्चाई को लेकर ऐसा नही कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों को जानकारी नही है? क्योंकि इस सच्चाई को शौचालयों के निर्माण के दौरान हरिभूमि द्वारा अनेकों बार प्रमुखता के साथ उठाते हुए अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई ध्यान नही देना निश्चित की शौचालयों के निर्माण में हुई गफलबाजी में अधिकारियों की मिली भगत होने के संकेत मिलते हुए जान पड़ रहे है? इतना ही नही अनेक पंचायतों में तो यह तक देखा जा रहा है कि कागजों के हिसाब से वहां पर शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। मगर वहां पर आज भी अधूरे पड़े हुए निर्माण कार्य के चलते ग्रामीणजन उनका उपयोग नही कर पाने की स्थिति में जब वह बाहर खुले में शौच जाते हुये देखे जाते है तो इस बाह्शौच मुक्त घोषित हुई जिने की पोल खुलने से नही चूक पा रही है? यदि कुछ साल पहले बाह्शौच मुक्त घोषित करने के लिये निर्मित किये गये शौचालयों के निर्माण की सच्चाई को लेकर जांच शुरू हो जावे तो निश्चित ही अनेक अधिकारियों से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा शौचालय निर्माण के दौरान अपनाई गई गफलतबाजी उजागर होने से नही चूक पायेगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत को लेकर परिजनों से सांईखेड़ा पुलिस थाने के सामने किया चकाजाम

सांईखेड़ा। क्षेत्र के सड़को पर बेलगाम गति से दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की गति पर अंकुश नही लगने के चलते जहां आये दिन क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाये होते हुये देखी जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को शाम 4 बजे के लगभग सांईखेड़ा गाडरवारा मार्ग झिकोली के पास उस समय देखने मिली थी कि जब तेज गति से भागते हुये जा रहे एक डम्फर की चपेट में आने के कारण ग्राम उदयपुरा जिला रायसेन निवासी युवक की मौत हो गई थी। घटना को लेकर सांईखेड़ा पुलिस द्वारा आरोपी डम्फर चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लेने के साथ ही घटना को अंजाम देने वाले डम्फर को जप्त करते हुये पुलिस थाने में खड़ा करा लिया गया था। वही मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये पोस्ट मार्टम हेतु भेजा गया था। मगर घटना के दूसरे दिवस यानि की कल सोमवार को जब मृतक के परिजन आये तो उन्होंने घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुये गाडरवारा सांईखेड़ा स्टैट हाईवे मार्ग पुलिस थाने के ठीक सामने चकाजाम करते हुये अपना विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया गया। इसमें मुख्य रूप से मृतक की पत्नी अपने मासूम बच्चों के साथ रोते बिलखते हुये काफी समय तक मुख्य मार्ग पर बैठी हुई देखी गई। इस तरह मृतक के परिजनों द्वारा आक्रोश प्रकट करते हुये चकाजान की जानकारी जब उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा को लगी तो वह तुरंत सांईखेड़ा थाने पहुंचे जहां पर थाना प्रभारी प्रकाश पाठक द्वारा उप पुलिस अधीक्षक मिश्रा द्वारा मृतक के परिजनों को कार्यवाही का पूरा भरोसा दिलाते हुये शांत किया गया। इस तरह कुछ देर तक चले चकाजाम के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लाईन लगी हुई देखी गई। मगर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी प्रकाश पाठक द्वारा अपनी कार्य कुशलता का परिचय देते हुये मामले को शांत करते हुये मृतक का शव उन्हें सौंपते हुये घर के लिये रवाना किया गया।

जीवन में मर्यादा का होना जरूरी है, यदि मर्यादा नहीं है तो मानव जीवन कुछ काम का नहीं - पं.वीरेन्द्र शास्त्री

गाडरवारा। साई धामं मंदिर समिति कान्हर गांव द्वारा आयोजित कराये जा रहे 7 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा के अयोध्या कांड कि कथा के छटवें दिवस कि कथा में कथा व्यास पंडित बीरेन्द्र शास्त्री महाराज ने बताया कि मानव जीवन में मर्यादाओं का होना बहुत जरूरी है। जिस व्यक्ति में यदि कोई मर्यादा नही है तो उसे मानव होने का मतलब ही नही पता चल सकता है। क्योंकि रावण के पास धन का अम्बार लगा था मगर उसके अंदर मर्यादा नही थी जिसके चलते न तो वह अपने भाईयों का सम्मान करता था और मर्यादा की हीनता के चलते नारी शक्ति का अपमान किये जाने का परिणाम उसने अपनी मृत्यु के रूप में चुना पड़ा था। इसी लिये मानव जीवन में मर्यादा है तो निश्चित ही उस के प्रति मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम भी एक दिन कृपा करेगें। वही महाराज जी ने बताया कि इस कलयुग काल में जो मानव भगवान की कथाओं को श्रवण करता है, उसकें संकट कट जाते है। कथा व्यास शास्त्री ने श्रोताओं से कहा धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे। वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब कर्म अथवा यज्ञ का उद्देश्य परमेश्वर के लिए होता है तो वह सफल होता है। कर्मों के उपभोक्ता तो वास्तव में ईश्वर ही है और वही हमें कर्म फल प्रदान करते हैं। मनुष्य को अपने माता पिता, गुरु व अपने श्रेष्ठ का अपमान नहीं करना चाहिए।

मुख्यमंत्री सीएम हेल्प लाईन में की जाने वाली शिकायतों का निराकरण किये बगैर ही कराई जा रही बंद

गाडरवारा। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कुछ वर्ष पहले आमजन को अपनी समस्याओं से निजात दिलाने की सोच रखते हुये मुख्यमंत्री सीएम हेल्प लाईन का शुभारंभ किया गया था। इस योजना के पीछे उनकी सोच थी कि जब प्रदेश की आम जनता अपनी समस्याओं को लेकर अधिकारियों के चक्कर काटने के बाद भी अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण नही किया जाता है तो कोई भी व्यक्ति सीएम हेल्प लाईन नम्बर 181 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। वही दूसरी ओर शिकायत कर्ता जब तक शिकायत करने के लिये उपयोग किये गये अपने उसी मोबाईल फोन से 181 नम्बर पर काल करते हुये अपनी ओर से शिकायत पर संतुष्ट नही होगा तब तक उसकी शिकायत समाप्त नही होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई इस सीएम हेल्प लाईन का निश्चित तौर से आमजन को लाभ मिलते हुये देखा जा रहा था। इसी के चलते जब प्रदेश के मुख्यमंत्री में बदलाव हुआ तो मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भी इस सीएम हेल्प लाईन की व्यवस्था पर अपनी ओर से संतुष्टि जताते हुये इसे जारी रखा है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी इस तरह बेलगाम हो चुके है कि वह अपने दायित्वों को मनमानी पूर्वक निर्वाहन करते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आम लोगों के कार्य समय पर नही निपट पा रहे है और अपने कार्यो के लिये अधिकारियों के चक्कर काटते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर जब कोई व्यक्ति अधिकारियों की कार्य गुजारियों से परेशान होकर सीएम हेल्प लाईन 181 पर शिकायत करता है तो जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा शिकायत कर्ता का कार्य पूर्ण किये बगैर ही सीएम हेल्प लाईन पर अपनी ओर से कार्य पूर्ण होने की सूचना दे दी जाती है। वही दूसरी ओर सीएम हेल्प लाईन सेन्टर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों द्वारा भी शिकायत कर्ता की संतुष्टि लिये बगैर सीएम हेल्प लाईन की शिकायत को बंद कर दिया जाता है। इस तरह अधिकारियों द्वारा अब सीएम हेल्प लाईन 181 पर होने वाली शिकायतों को सेन्टर में बैठे हुये अधिकारियों की मिली भगत से शिकायतकर्ता द्वारा अपनी ओर से बगैर संतुष्ट किये हुये सीमएम हेल्प लाईनों की शिकायतों को बंद किया जा रहा है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में देखने मिली है। इस संबंध में बताया जाता है कि शिकायत कर्ता द्वारा गाडरवारा नगर में एक प्लाट खरीदा गया था जिसकी रंजिस्ट्री 11 2024 को गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में कराई गई थी। मगर लगभग दो माह का समय बीत जाने के बाद भी जब उप पंजीयक कार्यालय से शिकायत कर्ता को रंजिस्ट्री उपरांत पूर्ण बैनामा नही मिला तो पीड़ित द्वारा इसकी शिकायत 4 नम्बर 2024 को सीएम हेल्प लाईन में की गई जिसके चलते सीएम हेल्प लाईन सेन्टर द्वारा शिकायत कर्ता की शिकायत क्रमांक 29625439 पर दर्ज करते हुये एल 1 श्रेणी में रखते हुये समस्या का शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया गया था। इसके बाद यह शिकायत 12 नम्बर को एल 2 स्तर पर पहुंचने पर उप पंजीयक कार्यालय द्वारा निराकरण के रूप में शिकायत में दर्ज किया कि जमीन संबंधी रजिस्ट्री के दस्तावेजों का प्रिंट होने पर शिकायतकर्ता को प्रदान किये जावेगे। इस तरह जब 19 नम्बर को शिकायत कर्ता को दस्तावेज नही मिली तो सीएम हेल्प लाईन से शिकायत कर्ता से पूछा गया कि आपकी शिकायत का निराकरण हुआ कि नही तो शिकायत कर्ता द्वारा उस पर अपनी ओर से असंतुष्टि दर्ज कराई गई जिसके चलते यह शिकायत एल 3 स्तर के अधिकारी के पास पहुंच गई। जब शिकायत कर्ता द्वारा अपनी शिकायत की स्थिति जाने के लिये पोर्टल पर देखा गया तो उस पर यह शिकायत की स्थिति में दर्ज हुआ दिखाई दे रहा था कि निराकरण जिला पंजीयक के द्वारा उक्त शिकायत के संबंध में प्रतिवेदन अंकित किया है कि शिकायतकर्ता की उक्त शिकायत दस्तावेज़ प्रदाय करने के संबंध मे बी.एम.सी. पोर्टल पर बी.एम.सी. टिकिट बुक की गई थी जिसके उपरांत मुख्यालय भोपाल द्वारा दूरभाष पर प्राप्त जानकारी अनुसार तकनीकी कारणों से उक्त दस्तावेज़ का प्रिंट मुख्यालय भोपाल मे प्रिंट किया जा चुका है प्रिंट उप पंजीयक कार्यालय गाडरवारा मे प्राप्त होते ही पक्षकार को प्रदाय कर दिया जावेगा. अतः उक्त शिकायत विलोपन योग्य है। अतः जिला पंजीयक के प्रतिवेदन से सहमत होकर उक्त शिकायत को नस्तीबद्ध किया जाता है। शिकायत को बंद कर दिया गया है। इस संबंध में शिकायत कर्ता से न तो किसी तरह संतुष्टि प्राप्त की गई और न ही आज तारीख तक शिकायत कर्ता को वह दस्तावेज प्रदान किये गये है। इस स्थिति में आज भी शिकायत कर्ता अपने बैनामा के कागज प्राप्त करने के लिये उप पजीयक कार्यालय के चक्कर काटते हुये देखा जा रहा है। मगर जब यह शिकायत एल 3 स्तर के अधिकारियों के पास पहुंची तो उनके द्वारा शिकायत के समाधान को लेकर अपने ही स्तर पर समास्या का निराकरण किये बगैर ही शिकायत को बंद करा दिया गया है। इस तरह जमीनों के पंजीयन कार्याल में अधिकारियों की कार गुजारियों के चलते वैसे भी देखा जावे तो आमजन को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। मगर अब अधिकारियों द्वारा 181 की जाने वाली शिकायतों को भी बगैर शिकायत कर्ता की संतुष्टि के बंद भी कराया जाने लगा है। इस तरह अधिकारियों की मनमानी के चलते प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा आमजन को परेशानी से निजात दिलाने के लिये शुरू की गई 181 की व्यवस्था पर भी ग्रहण लगने के साथ साथ आमजन को भरोसा टूटने लगा है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय सदा ही अपनी कार्य प्रणाली के चलते बीते हुये कई सालों से चर्चा का विषय बनाने से नही चूक पा रहा है।

कागजों में दबकर समाप्त हो जाती है शासन की अनेक योजनाएं, नहीं मिल पाता है हितग्राहियों को लाभ

सांईखेड़ा। राज्य और केन्द्र शासन ने प्रदेश के विकास हेतु कई कल्याण कार्ययोजनाएं जनता के हितार्थ बना दी है कि उनकों अमलीजामा पहनाना संदिग्ध हो चला है, योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हुआ है और क्या उसमें कमी है, इसकी सूक्ष्मता से जांच जरूरी है? क्योंकि कागजी आंकड़ों मे योजनाओं को सफल बता दिया जाता है, इसके लिए जिम्मेदार होते है नौकरशाह और अफसर शाही वर्ग जो कि नेताओं को गुमराह कर योजनाओं को नीतियों को सफल क्रियान्वयन होना तो बता देते है । परंतु नतीजा शून्य ही होता है? जिस प्रकार से शासन द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान रखते हुये योजनाओं की झड़ी लगा दी परंतु योजनाओं की परिणति क्या हुई होगी, इसका अंदाजा पूर्व से लेकर अब तक ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि बने बैठे पार्टी के हम दर्दियों द्वारा ही प्रदेश के मुखिया की योजनाओं को किस प्रकार से क्रियान्वयन किया जा रहा है जो मात्र कागजों में तो दिखाई दे रही है, इसकी सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिली सकती है। जहां पर कागजो पर तो पंचायत में विकास कार्यो की गाड़ी पूरी तप्तार से दौड़ रही है, मगर सच्चाई कुछ और ही है? क्योंकि देखा जा रहा है कि प्रदेश मे पंचायतीराज, भ्रष्टाचार इर्ष्याद्वेष एवं भाई भतीजावाद के आधार पर चल रहा है,? पंचायतों के माध्यम से जिन योजनाओं के कार्य सौंपे जाते है उनमे सही एवं पात्र लोगों को लाभ न मिलकर अन्य लोगों को इसका लाभ मिल जाता है? जिन पंचायतों मे आदिवासी सरपंच है एवं महिला सरपंच है उनके कर्ताधर्ता उप सरपंच या सचिव होते है जो सामान्य या अन्य वर्ग के होते है जो भाई भतीजावाद के आधार पर सरपंच को गुमराह कर शासन की राशि पर पलीता लगाते रहते है? शासन को उक्त समस्त योजनाओं की पुनः खोज खबर लेनी होगी ताकि प्रदेश सरकार को अपनी महत्ता के साथ साथ अपनी ही पार्टी के पंचायत स्तर पर बैठे जनप्रतिनिधियों की पंचायतों की जांच करना जरूरी है, क्योंकि देखा जाता है कि अक्सर पार्टी के लोग ही अपने नेता को मलाई खाने के चक्कर में बर्बाद कर देते है? जबकि इसमें बड़े नेता का कही कोई दोष नही होता है, मगर अपने ही चम्मचों के कारण कढ़ाई को परेशानी झेलनी पड़ती है।

मोबाईल पर आने वाले बिजली बिल ग्रामीणों के लिये बन रहे परेशानी का कारण

गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि पहले बिजली बिलों का वितरण ग्राम कौड़िया सहित आसपास के गांवों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिल थमा दिये जाते है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों का वितरण कर दे और अब बिलों की जगह मोबाईल पर बिले भेजे जाने लगे है जिसके चलते गांवों में अनेक लोग इस तरह से है जिनके पास मोबाईल फोन नही है है भी तो अंग्रेजी में आने वाले इन बिलों को वह पढ़ नही सकते है जिसके चलते समय पर बिल जमा नही कर पाते है। जिसके चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? क्या विभाग की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नही हो रहा है?

मिलावटी ईंधन से जहर उगल रहे वाहन

सांईखेड़ा

मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञाप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोंग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व हृदय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

चीचली जनपद सचिव तीन दिन के सामूहिक अवकाश का निर्णय लेते हुये अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अधिकारियों द्वारा किस तरह सीएम हेल्प लाईन में शिकायतों का निराकरण किये बगैर उन्हें बंद कराने का अपने अधिनस्थ अधिकारियों पर पर दबाव बनाया जा रहा है। इस तरह वरिष्ट अधिकारियों की मनमानी को चलते पंचातय के सचिव परेशान होने से नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों के सचिवो द्वारा सामूहिक रूप से अवकाश पर जाने का निर्णय लेना पडा है। बताया जाता है कि जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद के नाम सम्बोधित एक हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन प्रभारी पंचायत खंड अधिकारी स्वदेश साहू को सौंपकर मांग की गई है कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में सीएम हेल्प लाईन के शिकायतों को बंद करवाने के लिये पंचायत सचिवों पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है तथा पंचायती राज से पृथक विभाग की योजनाओं जैसे आयुष्मान इत्यादि को सफल बनाने के लिये जहाँ-तहाँ पंचायत सचिवों को नोटिस देकर कार्यवाही की जा रही है। इस तरह लगभग सभी जिलों में रविवार और अवकाश के दिनों में भी ग्राम पंचायत सचिवों से कार्य करवाया जा रहा है। जिसके चलते जिला बालाघाट के किरनापुर जनपद पंचायत के कांद्रीकला ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव घन श्याम बिसेन असमय काल के गाल में समा गये। उक्त सभी समस्याओं के कारण मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के आव्हान पर जनपद पंचायत चीचली के समस्त सचिव 25 नवंबर व 26 से 27 नवंबर तक सामूहिक अवकाश पर जा रहे है।

तकनीकी मापदंडों को दरकिनार कर किया जा रहा छात्रावास का निर्माण

हरिभूमि न्यूज शहपुरा - आदिवासी जिला डिंडोरी में निर्माण एजेन्सी की मनमानी और घटिया निर्माण से सरकार की मनसा पर पानी फेरने का काम लगातार किया जा रहा है ऐसा ही मामला शहपुरा नगर के शासकीय महाविद्यालय छात्रावास का है जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास हेतु शिक्षा अध्ययन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा करोड़ों अरबों रूपये का बजट जिला स्तर पर विभाग को प्रदाय किया जाता है ताकि विद्यार्थी शैक्षणिक दिशा में प्रगति कर सके।इसके लिये शिक्षा अध्ययन के लिये ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिये सरकार द्वारा छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है ताकि वे सुविधाजनक स्थान पर रहकर भोजन, पानी, निस्तार सहित अन्य सुविधाओं को पाकर शिक्षा अध्ययन कार्य कर सके।वहीं विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ इतनी मजबूत है कि निर्माण कार्य की नींव आधार स्तंभ को ही प्रारंभ से विभाग के कर्णधार और ठेकेदार मिलकर भ्रष्टाचार को अंजाम देकर आर्थिक अनियमितता करते हुये घटिया निर्माण कार्य करते है ।जनजाति बाहुल्य जिला डिंडोरी के ब्लॉक शहपुरा विकासखंड के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय शहपुरा छात्रावास का निर्माण कार्य करोड़ो की लागत से किया जा रहा है ।

पारदर्शिता को समाप्त कर की सुशासन की खोल रहा पोल

शहपुरा मुख्यालय के के शहपुरा नगर में बनाये जा रहे छात्रावास कितनी लागत का बन रहा है, कब तक निर्माण कार्य को पूरा किया जाना है या निर्माण कार्य से संबंधित एजेंसी कौन है। इस तरह की अनेक जानकारी पारदर्शिता को लेकर सुशासन की बात की जाती है, उन बातों को मटियामेट करने का काम विभाग डिंडोरी के शहपुरा में हो रहे छात्रावास के निर्माण में ठेकेदार कर रहा है ।निर्माण स्थल पर किसी भी तरह की जानकारी युक्त बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों को निर्माण के संबंध में स्पष्ट कोई जानकारी नहीं दी जा रही है और पारदर्शिता को दरकिनार करते हुये ठेकेदार व विभाग डिंडोरी के द्वारा पर्दा डाला जा रहा है।

तकनीकि मापदण्डों को दरकिनार कर रहे घटिया निर्माण

जनजातिय वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन ठेकेदार के द्वारा छात्रावास भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। छात्रावास भवन निर्माण में बरती गई अनियमितता व किए गए भ्रष्टाचार की हद ये है कि कॉलम निर्माण में भ्रष्टाचार का खुला खेल खेला जा रहा है। शासन ने छात्रो को शिक्षा की बेहतर सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से शहपुरा मुख्यालय में शासकीय महाविद्यालय के पास छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है । जहां पर करोड़ों रुपए की लागत से छात्रावास भवन निर्माण की स्वीकृति दी जाकर और निर्माण कार्य का जिम्मा पीआईयू विभाग डिंडोरी को दिया गया है। निर्माण स्थल पर कार्य कर रहे श्रमिकों ने जानकारी देते हुये बताया कि यह कार्य पीआईयू विभाग द्वारा कराया जा रहा है जिसका ठेका किसी रीवा के व्यक्ति को दिया गया है। निर्माण कार्य स्थल पर तकनीकि अमला नदारत है वहीं ठेकेदार का पता नहीं है। निर्माण कार्य के दौरान मौके पर इंजीनियर उपस्थित नहीं रहते हैं और ना ही कोई प्रशासनिक जवाबदार अधिकारी की मौजूदगी रहती है।

खबर संक्षेप

संविधान दिवस 26 नवम्बर के अवसर पर आयोजित होंगे कार्यक्रम

अनूपपुर। भारतीय संविधान जिसे 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया था, को अपनाने के दिन को हर वर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 26 नवम्बर 2024 को संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत सरकार ने साल भर चलने वाले उत्सव को हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान की टैगलाइन के तहत चलाने का निर्णय लिया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर अनूपपुर ने सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थाओं, स्वशासी संस्थाओं एवं सार्वजनिक उपक्रमों आदि में 26 नवम्बर को संविधान दिवस से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित करें।

उपचार के लिए 60 हजार के आर्थिक सहायता की मंजूरी

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने ग्राम सरईटोला तहसील पुष्पराजगढ़ निवासी अनुरोध उद्दे सिंह पिता सुन्दर सिंह को उपचार हेतु मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान मद से स्वीकृत 60 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के आहरण एवं संवितरण की मंजूरी प्रदान की है।

उत्कृष्ट बालक छात्रावास जैतहरी में मीनू के अनुसार नहीं मिल रहा भोजन

अनूपपुर। उत्कृष्ट बालक छात्रावास जैतहरी मे विद्यार्थियों का हाल बेहाल है। यहां बच्चों को भोजन में कभी दाल नहीं मिलती तो कभी सब्जी नहीं मिलती, कभी चावल भाजी तो कभी चटनी चावल खिलाया जा रहा है वही कढ़ी मे सिर्फ पानी होता है जो अमचूर व टाट्री से बनाया जाता है जबकि शासन स्तर से हर छात्रावास मे सप्ताह के सातों दिन के लिए मीनू बनाया गया है कि किस दिन कौन सा व्यंजन बच्चों को खिलाया जायेगा तथा तीनों समय के भोजन मे कौन कौन सा खाना शामिल रहेगा, परंतु उत्कृष्ट बालक छात्रावास जैतहरी मे मनमाने तरीके से बच्चों को खाना दिया जाता है। यहां वृहद स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार बच्चों के शोषण की विगत दिवस वीडियो भी वायरल हो रही है जिस पर यहां के बच्चे अपना दुख व छात्रावास मे व्याप्त मनमानी की कहानी बयां कर रहे हैं, हालांकि उक्त वीडियो की पुष्टि हरिभूमि नही करता है, परंतु वायरल वीडियो यहां की कलई जरूर खोल रही है। यहां अधीक्षिका नियम विरूद्ध तरीके से पदस्थ है जबकि किसी भी बालक छात्रावास में महिला रखना उचित नहीं होता, परंतु भ्रष्टाचार के आकण्ठ तक डूबे अधिकारियों ने यहां भ्रष्ट महिला की पोस्टिंग कर अपनी जेबें भर रहे हैं वही जिनके लिए ये नौकरी करते हैं वे भारत के भविष्य इनके कोपभाजन व मनमानी का शिकार होते मजबूरी मे रह रहे हैं। गरीबों के निवाले व उनकी जिंदगी व भविष्य से खिलवाड़ कर रहे जिम्मेदारों पर जिला स्तर से जांच कर कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिये।

देर रात डीजे के शोर-शराबे पर रहेगा प्रतिबंध, अवहेलना पर होगी कार्यवाही

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में सोमवार को थाना कोतवाली अनूपपुर परिसर में मैरिज गार्डन संचालक, होटल मालिक, एवं साउंड सर्विस संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अरविंद जैन ने की, जिसमें नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मंगलदास चक्रवर्ती भी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य विवाह समारोहों के दौरान देर रात तक बजने वाले डी.जे. एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों से होने वाले शोर-शराबे पर प्रतिबंध लगाना था। प्रशासन को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि तेज आवाज के कारण आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय, मध्य प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश निर्देशों का पालन करें। देर रात ध्वनि विस्तारक यंत्र के कारण परेशानी होने पुलिस से संपर्क करें। बैठक में यह निर्देश किए गए जारी मैरिज गार्डन, होटल, और साउंड सर्विस संचालक आयोजन के समय आयोजकों से लिखित में यह वचन लें कि रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा।

शासकीय स्नातक महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया एनसीसी दिवस

शहपुरा। शासकीय स्नातक महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के एनसीसी यूनिट द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स, प्राध्यापकों और अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय भूषण द्वारा "एन सी सी न केवल यह कार्यक्रम है बल्कि वह जीवन जीने का एक तरीका यह युवाओं में अनुशासन एवं नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है के संबोधन के साथ शुरूआत किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें देशभक्ति गीत और नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी सी.पी.भानुवंशी, स. प्रा. कविता धुर्वे, डॉ स्मिता, अजय श्रीवास्तव, पारुल श्रीवास्तव, राजदीप यादव, आर के पाठक , महेंद्र सैयाम, शारदा वाल्मीक एवं समस्त एन सी सी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के समस्त कैडेट एवं महाविद्यालय के छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण अभियान और राष्ट्र के प्रति सेवा एवं एकता की शपथ के साथ हुआ। यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ, जिसमें उन्होंने समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प लिया।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी ।कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता में आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, प्रशिक्षु वनमण्डल अधिकारी बाला सुब्रमण्यम, एसडीएम एश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित संबंधित विभाग अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्ष सिंह ने खनिज विभाग के कार्यों की समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि मानसून अवधि के बाद 1 अक्टूबर 2024 से रेत खदानों में खनन कार्य प्रारंभ किया गया है जो कि स्वीकृत खदानों में किया जा रहा है। स्वीकृत खदानों के अतिरिक्त नदी या नालों से अवैध उत्खनन न हों इसलिए सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने कहा कि अवैध उत्खनन एवं अन्य अवैधानिक गतिविधियों को रोकने के लिए संयुक्त दल साथ में कार्यवाही सुनिश्चित करें। संयुक्त दल में वन विभाग और राजस्व विभाग, खनिज विभाग के साथ समन्वय कर ऐसी गतिविधियों पर रोक लगायें। ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय मार्गों से ओवरलोडेड वाहन निकलने के कारण सड़क क्षतिग्रस्त होती हैं। ऐसे ओवरलोडेड वाहनों पर कार्यवाही करें। वाहनों के लिए एक निश्चित मार्ग सुनिश्चित कर वाहन चालकों को मार्ग के बारे में बतायें। खनिज संबंधी रॉयल्टी की प्राप्ति उचित रूप से हो

राजस्व महाअभियान 3.0 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी ।जिले में 15 नवम्बर 2024 से राजस्व महाअभियान 3.0 संचालित किया जा रहा है, उक्त महाअभियान 15 दिसम्बर तक जारी रहेगा। राजस्व महाअभियान के तहत राजस्व प्रकरणों को त्वरित रूप से निपटान किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री हर्ष सिंह के निर्देशानुसार आज अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह के नेतृत्व में जिले के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों को राजस्व महाअभियान के घटक ई-केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्रि एवं पीएम किसान सम्मान निधि के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में संयुक्त कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम श्री एश्वर्य वर्मा, एडीएम बजाग सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक, सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तीकरण, सीमांकन, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, नक्शे में बटांकन, आधार से खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान सेचुरेशन, स्वामित्व योजना के कार्यों को लक्ष्य निर्धारित पूरा किया जा रहा है। जिसमें आमजन अपने राजस्व प्रकरणों का निपटारा करवा सकते हैं।

नो एंट्री पॉइंट पर रोड किनारे हटवाई झाड़ियां, रास्ते का किया गया चौड़ीकरण

अनूपपुर।

विगत दिवस जिला मुख्यालय अनूपपुर के चचाई मार्ग पर स्थित नो एंट्री पॉइंट पर खड़े टेलर में बाइक टकराने से तीन लोगों की मृत्यु हो गई थी, एक्सीडेंट के कारण का विश्लेषण करने पर ज्ञात हुआ ,कि नो एंट्री में खड़े वाहनों के कारण रोड का आधा हिस्सा अन्य वाहनों के आवागमन के लिए शेष रहता है, जिससे बाइक क्रॉसिंग के दौरान संभवत नो एंट्री में खड़े ट्रेलर के नजदीक से गुजरी, जिससे टकराने से बाईक चालकों के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु झाड़ियां को कटवाया गया। शाम 6 से 10 चचाई रोड नो एंट्री पॉइंट पर जाम की समस्या का भी सामना आमजन को करना पड़ता था। इन्हीं समस्याओं के निदान के लिए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा एमपी आरडीसी के सहयोग से नो एंट्री पॉइंट अंडर ब्रिज के आगे से बालाजी भोजनालय तक लगभग 1 किलो मीटर रोड के दोनों ओर स्थित झाड़ियां की सफाई करवाई गई। जिससे लगभग रोड की चौड़ाई में 5 फीट की वृद्धि हुई तथा अंधे मोड़ की दृश्यता भी बढ़ी जिससे संभवतः आगे इस प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी साथ आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर हर्ष सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा श्री एश्वर्य वर्मा, आईएफएस प्रशिक्षु श्री बालासुब्रमण्यम, एसडीएम बजाग सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान, हम होंगे कामयाब पखवाड़ा, मिलावट से मुक्ति अभियान, स्वनिधि अभियान, नशा मुक्ति अभियान सहित अन्य संचालित और प्रस्तावित अभियानों की तैयारी के सम्बन्ध में विभागों से जानकारी ली, उन्होंने सम्बंधितों विभागों को अभियान के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने हाथी और बाघ के मूवमेंट के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि हाथी और बाघ का मूवमेंट करंजिया क्षेत्र में है, जिस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वन और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम नजर बनाये हुए है। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों को जागरूक करने, मुनादी करने, ग्रामीणों के हुए नुकसान और उनका मुआवजा देने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मूवमेंट वाले क्षेत्र में सतर्क रहते हुए वन और राजस्व विभाग सतत निगरानी रखें। कलेक्टर हर्ष सिंह ने राजस्व महाअभियान 3.0 के संबंध में राजस्व मामलों की समीक्षा की। राजस्व महाअभियान 3.0 का प्रारंभ 15 नवम्बर 2024 से किया गया है, जिसके तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण, नक्शा तरमीम, पीएम किसान, आधार लिंकिंग, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तीकरण, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग की समीक्षा की। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने नक्शे के बटांकन, आधार से लिंकिंग में विशेष केंद्रण कर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए, उन्होंने पीएम किसान में सेचुरेशन प्राप्त करने के लिए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में पीएम जनमन के तहत संबंधित विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएम जनमन आवास, विद्युत आपूर्ति, पीएम स्वनिधि, आंगनबाड़ी, आयुष्मान भारत कार्ड, नलजल, आदि की जानकारी ली। उन्होंने पीएम जनमन आवास के तहत गत सप्ताह की प्रगति व द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि व नवीन स्वीकृतियों के संबंध में जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि पिछले सप्ताह 39 जनमन आवास पूर्ण हुए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की, उन्होंने आयुष्मान कार्ड के शेष लक्ष्य की पूर्ति जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए।

स्व-रोजगार एवं रोजगार के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए राज्य मिलेट मिशन, बीज वितरण, किसान पंजीयन, उर्वरक की उपलब्धता आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने पशुपालन और मत्स्य विभाग के किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति की समीक्षा की। जिसमें उचित जवाब ना देने के कारण पशुपालन विभाग के डॉ.राजीव सिंह की 3 दिवस की वेतन काटने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आबकारी विभाग को सम्बंधित क्षेत्र के एसडीएम के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आदर्श ग्राम चाड़ा के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें कलेक्टर श्री सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड, उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम आवास, टैप वाटर, बिजली कनेक्शन, टीबी रोग जाँच, आदि योजनाओं के लक्ष्यों करने के लिए निर्देशित किया।

कलेक्टर हर्ष सिंह ने निजी स्कूलों पर अधिक फीस वसूल किये जाने के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिस पर उचित कार्यवाही ना करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस देने का निर्देश दिया। कलेक्टर हर्ष सिंह ने 2 दिसम्बर से किये जाने वाले धान उपार्जन, नैनो यूरिया खाद को प्रोत्साहित करने के लिए योजना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करने की कार्ययोजना, वृन्दावन ग्राम के लिए कार्य करने के सम्बन्ध में, गीता जयंती आयोजन आदि की तैयारियों की जानकारी लेते हुए उक्त सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने लाउड स्पीकर, डीजे के शोर को प्रबंधित करने और सम्बंधितों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

दुनिया में सनातन धर्म सबसे अधिक स्वीकार्य धर्म- प्रेमभूषण जी महाराज

अनूपपुर।

अनूपपुर में श्रीराम कथा हेतु पधारे विश्व विख्यात कथावाचक परमपूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने सोमवार की सुबह अनौपचारिक वार्ता की। इस दौरान उन्होने कहा कि भारत जैसे विशाल देवभूमि में कभी भी सांस्कृतिक आन्दोलन करना नहीं पड़ा। आवश्यकता के अनुरुप समय - समय पर जनता स्वतः स्फूर्त तरीके से करती रहती है। भारत की सनातन ऊर्वरा शक्ति शाश्वत है। यह कभी नष्ट नहीं हो सकती। लोगों के उत्पात करने से कुछ नहीं होने वाला। आज वैश्विक परिदृश्य का आकलन कर लें तो तस्वीर एकदम स्पष्ट नजर आती है। दुनिया में सनातन धर्म सबसे अधिक स्वीकार्य धर्म है। वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब में उन्होंने कहा कि डार्विन का सर्वाइवल आफ फिटेस्ट सिद्धांत हमेशा से लागू रहा है। दुनिया में वही जीवित रहेगा जो फिट यानि योग्य होगा। योग्यता ईश्वर प्रदत्त आर्शीवाद है। भगवत भक्ति के बारे उन्होने कहा कि बिना कारण भगवत शरण में हैं तो यह सात्विक प्रवृत्ति है। थोडा लाभ हो जाए तो भगवत शरण में जाएगें, यह राजसी प्रवृत्ति है। सिर्फ मेरा ही लाभ हो, दूसरे का नुकसान हो, यह तामसी प्रवृत्ति है। अयोध्या जी की घटना पर उन्होंने कहा कि आज जनता घर मे एसी में बैठे नेताओं को पसंद नहीं करती। आपको जनता के बीच, उनके मुद्दों को लेकर जाना होगा। जनता अपने बीच आपकी उपस्थिति चाहती है। अयोध्या जी की गरिमा को लेकर उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अयोध्या जी में कोई विवाद नहीं है। वहाँ श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों की सुविधा के लिये बहुत से कल्याणकारी कार्य कराए गये हैं। अयोध्या जी का सर्वांगीण विकास हुआ है। पहले राम नवमी में पैदल चलते थे तो पैर जलता था। अब सरकार ने वहां ऐसी व्यवस्था बना दी है कि लोगों को कष्ट ना हो। पत्रकारों के सवाल पर प्रेम भूषण जी ने कहा कि देश को आरक्षण की अभी जरुरत है। यह कमजोर वर्ग को मजबूत बनाने का कार्य है। इससे योग्य लोगों पर कोई असर नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि योग्यता ईश्वर प्रदत्त है। जैसे कथाकार, पत्रकार, चित्रकार ईश्वर प्रदत्त है। ये तीनों योग्यताएं थोपी नहीं जा सकतीं। उन्होंने बतलाया कि प्रथम पूज्य श्री गणपति, भगवान शंकर, जगत जननी जगदंबा, भगवान श्री हरिः और सूर्य की नित्य पूजा होती है। भगवान श्रीराम त्रेता से आज कलियुग तक करोड़ो लोगों के आराध्य हैं। उनका नाम जप, चिंतन लोग पूरी श्रद्धा से, अन्तःकरण में सदा सर्वदा करते रहते हैं। काशी नगर के विकास की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की आवश्यकता के अनुरूप वहाँ का सुविधाजनक विकास हुआ है। परमपूज्य जी ने पत्रकारों के सभी प्रश्नों के जवाब देते हुए सरल - सहज भाव से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने उपस्थित पत्रकार बन्धुओं को प्रतीक स्वरुप अंगवस्त्र पहना कर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर महाराज जी के साथ वरिष्ठ पत्रकारगण, श्री राम सेवा आयोजन समिति अनूपपुर के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा के साथ समिति के सभी प्रमुख सदस्य मीडिया प्रभारी तारकेश्वर मिश्रा, प्रियम शुक्ला, सत्यम पाण्डेय, आदर्श मिश्रा के साथ अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे।

वार्ता में पत्रकारों के सभी प्रश्नों का महाराज जी ने सहज भाव से दिया जवाब

खबर संक्षेप

वृंदावन उपजोन समीति में सदस्य मनोनीत

तेंदूखेड़ा अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा संपूर्ण विश्व में युग निर्माण योजना के तहत विचार क्रांति अभियान आध्यात्मिक व्यवस्था के तहत विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं इसी श्रंखला के चलते जबलपुर उपजोन समीति बनाई गई है जिसमें नरसिंहपुर जिले से सेवा सक्रिय सजग रिटायर्ड शिक्षक वृन्दावन पटेल को सदस्य मनोनीत किया गया है।श्री पटेल के इस मनोनयन को लेकर उपजोन प्रभारी नरेश तिवारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री बी शर्मा ग्यारस सिंह शर्मा जिनके मार्गदर्शन से हमेशा गायत्री परिवार की गतिविधियों को आगे बढ़ाते रहते हैं। उनके प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित की है। एवं क्षेत्रीय प्रज्ञा मंडलों ने भी अपनी अपनी शुभकामनाएं बधाईयां प्रेषित की हैं।

निर्वाचक नामावली संबंधी बैठक आज

नरसिंहपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के मान से फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के प्रचलित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा नामावली के पुनरीक्षण कार्य के लिए पर्यवेक्षण हेतु आयुक्त जबलपुर को नरसिंहपुर जिले का रोल प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। रोल प्रेक्षक आयुक्त जबलपुर का 26 नवम्बर को जिले में भ्रमण प्रस्तावित है। इसी क्रम में आयुक्त जबलपुर द्वारा निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण के संबंध में 26 नवम्बर को अपरान्ह 3.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जायेगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से उक्त बैठक में उपस्थित की अपेक्षा की है।

संविधान दिवस पर कार्यक्रम आज

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेशानुसार 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जावेगा।उक्त अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जाएगा, साथ ही पीएम-ई-विद्या प्लेटफार्म पर प्राप्त वीडियो प्रसारित किया जावेगा। तदोपरांत हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित है।

निशुल्क हृदय रोग शिविर का आयोजन कल से

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आशीष प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्म से 18 वर्ष तक की उम्र के बच्चों के लिए निशुल्क हृदय रोग निदान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अंतर्गत जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के कक्ष क्रमांक 26 मीटिंग हाल में 27 नवम्बर को किया जायेगा। शिविर में शासकीय मान्यता प्राप्त अरविंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर के विषय- विशेषज्ञों के द्वारा जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों की जांच की जावेगी। जांच उपरांत चिन्हित मरीज बच्चों का आगामी उपचार शल्यक्रिया के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जावेगा। शिविर में आने वाले बच्चों के अभिभावकों से कहा है कि वे अपने साथ मरीज की एक फोटो, आधार कार्ड, परिवार समग्र आईडी, जन्म प्रमाण पत्र और पूर्व जांच की रिपोर्ट यदि हो तो साथ में लेकर आयें। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने जन्म से 18 वर्ष तक के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को उक्त शिविर में लेकर आयें और निशुल्क स्वास्थ्य का लाभ उठायें।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत प्रकरणों का हो रहा निराकरण

नरसिंहपुर। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारी राजस्व महाअभियान 3.0 को सफल बनाने के लिए कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। कैम्पों के माध्यम से राजस्व संबंधित प्रकरणों के निराकरण किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिग, फार्मर रजिस्ट्री व परपंपरागत रास्तों का चिन्हांकन के कार्य किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 24 नवम्बर तक नामांतरण के 540, बंटवारा के 66, अभिलेख दुरूस्ती के 8, सीमांकन के 35, नक्शा अद्यतन के चार हजार 51, आधार से आरओआर खसरों की दो हजार 244 की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है।

समय सीमा की बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा 10 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए प्रदेश सहित जिले में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2024 तक हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा चलाया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने इस अभियान के तहत कैलेंडर के अनुसार विशेष जागरूकता पखवाड़ा के तहत गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये। बैठक के दौरान विभागीय कार्यों एवं सीएम हेल्प लाइन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

अधिकारियों को दिये निर्देश

महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी ने जाने वाली गतिविधियों की तिथि अनुसार विस्तृत जानकारी दी। आयोजन में महिला एवं बाल विकास विभाग, गृह पुलिस विभाग, विधिक सेवा, जनसंपर्क विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत राज्य एवं ग्रामीण विकास विभाग, अल्पसंख्यक एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, उच्च शिक्षा शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग आदि विभागों के समन्वय से यह आयोजन सफलतापूर्वक करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती पटले ने दिये।

आज संविधान दिवस होंगे कार्यक्रम

भारतीय संविधान जिसे 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया था, को अपनाने के दिन को हर वर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संविधान दिवस के अवसर पर राज्य शासन ने 26 नवम्बर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। कलेक्टर शीतला पटले ने जिले के सभी विभागीय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वशासी संस्थाओं एवं सार्वजनिक उपक्रमों में संविधान दिवस से संबंधित कार्यक्रमों का गरिमामयी तरीके से आयोजन किया जाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही 8 से 11 दिसम्बर तक गीता जयंती से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का निराकरण संवेदनशीलता के साथ किया जाये। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने विभागों में लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समयबद्ध और प्राथमिक के आधार पर निराकरण करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। वहीं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों ने देखी शहीद का स्मारक और खंडहर किला

तेंदूखेड़ा सोमवार को शासकीय हाईस्कूल सर्रा के छात्रों को जनजाति गौरव दिवस पखवाड़े के अंतर्गत समीपी ग्राम ढिलवार का भ्रमण कराया गया। जहां पर 1857 की लड़ाई में डेलन शाह नरवर शाह ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने में अपनी महती भूमिका निभाई थी। स्वतंत्रता दिलाने को लेकर अपने प्राणों की बाजी लगा दी थी। शहीद के महल में अंग्रेजों ने आग लगा दी थी। जहां आज भी खंडहर किला देखने को मिलता है जिस स्थान पर अंग्रेजों ने डेलन शाह नरवर शाह को फांसी पर लटकाया था वहां पर स्मारक बना हुआ है।जो हमें देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है।इस मौके पर शहीद परिवार के वंशज ने भी स्मारक पर पहुंच कर उनकी जीवन गाथा पर विस्तार से जानकारी दी।इस मौके पर हाईस्कूल के प्राचार्य समीम कुरैशी एवं शासकीय महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अपर्णा चौबे ने भी स्वतंत्रता सेनानियों की जीवन गाथा तथा विरसा मुंडा के जीवन दर्शन पर विस्तार से जानकारी दी। छात्रों के साथ शिक्षक सचिन गुप्ता गीतेश शर्मा केवल सिंह सोम्या खरे प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देश पर जिले के राजस्व अधिकारियों और कृषि विभाग के मैदानी अमले ने संयुक्त रूप से निजी उर्वरक विक्रेताओं की दुकान और गोदामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहां स्टाक की उपलब्धता, पीओएस मशीनों और उर्वरक विक्रय लाइसेंस सहित दुकान के बाहर उर्वरकों की दर सूची का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विजय ट्रेडर्स व राघवेंद्र कृषि केंद्र धमना, श्री राम कृषि केंद्र व कटारे कृषि विकास केंद्र तेंदूखेड़ा, विनायक ट्रेडर्स राजमार्ग, श्री एग्रो एजेंसी व माँ अम्बे भंडार साईंखेड़ा और जय किसान सेवा केंद्र सिहोरा का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण व परिवहन रोकने के लिए टीम का गठन कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाये जाने पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत ठोस वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

बालिका शिक्षा व्यक्तित्व विकास सम्मेलन व मातृ गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस सरस्वती शिक्षा परिषद जबलपुर के मार्गदर्शन में सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में विगत दिवस वीरांगना लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई जयंती के अवसर पर बालिका व्यक्तित्व विकास सम्मेलन एवं मातृ गोष्ठी का आयोजन डॉ. नमिता साहू प्राध्यापक पी. जी. कॉलेज के मुख्य अतिथ्य व श्रीमती सुनीता विश्वकर्मा, समाजसेवी की अध्यक्षता में किया गया। उक्त आयोजन में पूर्व आचार्या श्रीमती प्रेमवती सोनी, श्रीमती निर्मला खत्री, श्रीमती सुमन गुप्ता संस्था प्राचार्य राकेश कुमार संस्थापक प्रभारी प्रधानाचार्य राजेंद्र पटेल, आचार्य परिवार की उपस्थिति में किया गया। बालिका शिक्षा प्रभारी श्रीमती रमा गुप्ता द्वारा प्रस्तावना उद्बोधन के माध्यम से बालिका शिक्षा के उद्देश्य को रखा। छात्राओं द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई झलकारी बाई के जीवन चरित्र का चित्रण किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती साहू द्वारा विद्यालय की सांस्कृतिक राष्ट्रीयता की शिक्षा की सराहना करते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला मातृ गोष्ठी के अन्तर्गत आपने माताओं से बालिकाओं के प्रति सजग रहने तथा उनके व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निर्वाह करने की बात कही। मंच संचालन छात्रा प्रांजल शर्मा तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती सोमजया मिश्रा आचार्या द्वारा किया गया।

जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक

नरसिंहपुर। विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पलोहाबड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत जनजातीय किसान बंधुओं को बीज का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली भारत सरकार ने देशभर में 15 नवम्बर से 26 नवम्बर 2024 तक ष्जनजातीय गौरव दिवस 2024 मनाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत जिले के 6 विकासखंडों में 73 ग्रामों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में 18 विभागों की 25 योजनाओं से जनजातीय समुदायों के लोगों को लाभान्वित किया जायेगा। इन योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाने के उद्देश्य से आईईसी गतिविधियां आयोजित जा रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय बाहुल्य ग्राम और आकांक्षी जिलों में जनजाति समुदाय के सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि चिन्हित गांवों में निवास कर रहे जनजातीय परिवारों के उत्थान के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इस अवसर पर जनपद पंचायत साईंखेड़ा के अध्यक्ष छत्रपाल राजपूत, जनपद सदस्य रामगोपाल गुर्जर, शुभम कौरव, शैलेश कौरव, ईश्वर गुर्जर, बसंत तिवारी, पप्पू पटेल, सीताराम जसपुरिया, भैयाजी टेकन, मुकेश, राजेंद्र तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी- कर्मचारीगण एवं कृषक मौजूद थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो के सफल संचालन के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने सभी बूथ पर समय पर टीम की उपस्थिति, सभी वैक्सीनेटर को प्रशिक्षित किए जाने, हाई रिस्क एरिया सघन मॉनिटरिंग, ट्राजिस्ट साइट के लिए अतिरिक्त टीम का गठन, सभी घरों में टीम द्वारा सही मार्किग किए जाने निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रशिक्षित टीम के सदस्यगण जहां बूथ, बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन, प्रमुख चैराहा, प्रायमरी स्कूलों, ऑगनवाडी केन्द्रों में जाकर बच्चों को सुरक्षित करेंगे। वहीं मोबाईल दल घुमक्कड़ आबादी तथा बंजारा बस्ती, ईट भट्टा, शुगर मिल, गुड भटटी, निर्माणधीन, मजदूर परिवार आदि सुदूर स्थलो में जाकर एक भी बच्चा एक भी परिवार न छूटे ऐसा प्रयास करेंगे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अजली शाह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष प्रकाश सिंह सहित अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील पटेल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान के बारे में विस्तार से बताया।

सड़क किनारे लगे पौधे सूखे, ईंट के टी गार्ड हुई दुर्दशा का शिकार

गोटेगांव

गोटेगांव के समीपवर्ती ग्राम सहजपुरा से देवनगर पुराना सड़क मार्ग पर भारी तादाद में सड़क किनारे दोनों ओर छायादार व फलदार वृक्षों का पौधारोपण किया गया था जिसका कार्य प्रधानमंत्री सड़क योजना की सड़क निर्मित होने के बाद किया गया था। इन पौधों की सुरक्षा के लिए ईट के ट्री गार्ड लगाने का कार्य किया गया था। अभी मौजूदा समय में अधिकांश ईंटों से निर्मित ट्री गार्ड धराशाई हो गए हैं वहीं उनके अंदर लगे पौधे सूख जाने पर दम तोड़ चुके हैं। जिस मकसद से उक्त सड़क किनारे पौधे रोपित करके उनकी सुरक्षा में राशि खर्च की गई थी। वह पूरी तरह से पानी में बह गई हैं ।इन पौधारोपण किए गए पौधों की देख रेख का कार्य बेहतर तरीके से नहीं होने के कारण ऐसे हालात निर्मित हुए हैं वहीं यहां से निकलने वाले लोगों ने जब पौधे दम तोड़ चुके हैं तो उन्होने ईंट के ट्री गार्ड को ही क्षतिग्रस्त कर दिए। सड़क के दोनों और ईंटों के टुकड़े बिखेर हुए हैं और साथ ही कुछ लोग ईट उठाकर अपने घरों को ले गए यदि इन पौधों की कुछ समय तक अच्छे से देखभाल की जाती तो शायद पौधे पनप कर बड़े हो जाते। मगर ऐसा नहीं हो सका और उक्त कार्य में खर्च की गई राशि व्यर्थ चली गई। नए पेड़ की कल्पना साकार नहीं सकी जबकि पुराने लगे पेड़ कटकर अलग हो चुके हैं। वहीं प्रशासन जोर-शोर से पौधारोपण में धनराशि खर्च करती है लेकिन पौधारोपण के समय शो वाजी की जाती है परंतु जिम्मेदार पंचायत अधिकारी द्वारा उचित देखभाल न होने से रोपे गए पौधे नष्ट हो जाते हैं, इससे सरकार की राशि व्यर्थ चली जाती है।

बेटी बचाओ विषय पर जनजागरुकता रैली का आयोजन

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस 2एम पी गर्ल्स बटालियन एनसीसी जबलपुर की तेंदूखेड़ा बालिका इकाई द्वारा 76वे एनसीसी दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ विषय पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इसके पूर्व इसी विषय पर कैडेट्स द्वारा स्लोगन लेखन और पोस्टर बनाया गये।रैली स्कूल परिसर से प्रारंभ होकर स्वतंत्रता सेनानी चौक तक तथा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाली गई ।जिससे रैली का संदेश अधिकतम जन समुदाय और समाज तक पहुंच सके। बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ बेटी नहीं बचाओगे तो बहू कहां से लाओगे जैसे नारों और पोस्टर द्वारा लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। रैली का सफल संचालन सेकेंड ऑफिसर तपती रानी दत्ता द्वारा किया गया। विद्यालय की बालिका एनसीसी इकाई द्वारा समय समय पर समसामयिक विषयों पर विभिन्न प्रकार के कार्य जनजागृति हेतु आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर समिति के प्रबंध निदेशक डा प्रकाश जैन महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डा किरण प्रभा जैन विद्यालय के प्राचार्य श्री कमल कुमार जैन और समस्त शैक्षिक एवं कार्यालय स्टॉफ ने एनसीसी दिवस की बधाई दी।

औचित्यहीन साबित हो रहे श्रीनगर और धोबीराजा गांव में बने चबूतरे

गोटेगांव

तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत श्रीनगर ने 2 वर्ष पूर्व में समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदने के लिए शासन की योजना के अनुसार करीब 11 लाख रुपए खर्च करके चबूतरे का निर्माण कार्य करवाया गया था। इस चबूतरे का उपयोग अभी तक समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदने के लिए काम नहीं आया है। 11 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस चबूतरा का उपयोग वर्तमान समय में आस पास के प्रभावी किसान उठा रहे है और उस चबूतरे पर मक्का की फसल कटने के बाद उस पर गाहनी के पहले मक्का को सुखाने का कार्य किया जा रहा है।इसी तरह समर्थन मूल्य खरीदी का चबूतरा ग्राम पंचायत लाठगांव के धोबीराजा गांव के पास किया गया है यहां पर भी इसका उपयोग खरीदी केन्द्र के रूप में नहीं हो रहा है इस चबूतरे का भी उपयोग प्रभावी लोग अनाज को सुखाने में कर रहे है। जिस मकसद से उक्त चबूतरों का निर्माण कार्य करवाया गया है वह पूरा नहीं हो रहा है और लाखों रुपए से निमित्त चबूतरा अनुपयोगी साबित हो रहे है।

अप डाउन की बैसाखी के भरोसे सरकारी कार्यालय

अधिकारी करते हैं लापरवाही

गोटेगांव

नगर में जितने भी मध्यप्रदेश शासन के शासकीय या अर्ध शासकीय कार्यालय और केंद्र के कार्यालय जैसे बैंक,रेल,और स्वास्थ्य कार्यालय और अन्य कार्यालय हैं जो कर्मचारियों के अप डाउन पर चल रहे हैं जिससे शासकीय कार्य तो बाधित होते ही हैं।लोगों के कार्य सही समय पर नहीं हो पाते और फिर शाम को कर्मचारियों को घर जल्दी भागने की पड़ती है।फिर भी शासन मौन रहता है जिससे नगर में चर्चा का विषय बनता जा रहा है सबसे ज्यादा अप डाउन करने वाले विभागों में सबसे पहला विभाग शिक्षा विभाग है जहां पर अधिकांश शिक्षक अप डाउन की वैशाखी के जरिए शासकीय सेवाओं को नैया पार कर रहे हैं।जिससे शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों पर भी असर पड़ता दिखाई देता है।ऐसे ही पंचायत विभाग, राजस्व विभाग,बिजली विभाग,बैंक,और भी कई विभाग हैं जो अप डाउन के सहारे चल रहे हैं फिर भी विभागों के बॉस कोई ध्यान ही नहीं देते।इसी क्रम में नगर का स्वास्थ्य विभाग,उच्च शिक्षा विभाग जहां पर अधिकारी खुद रोजाना अप डाउन करते हैं।उन्हे कार्य प्रभावित होने की चिंता तनिक भी नहीं है।इनमे प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग,पुलिस विभाग,राजस्व विभाग,महिला बाल विकास विभाग,जनपद पंचायत विभाग,कृषि विभाग,जल संसाधन विभाग,आदि में भी पुरुष और महिला कर्मचारी अप डाउन का सहारा ले रहे हैं यह आज की नई बात नहीं है कई वर्षो हो गए अप डाउन करते हुए और ये समाचार भी कई बार अखबारों की सुर्खियां बना प्राय देखा जाता है अप डाउन करने वाले कर्मचारी घर पहुंचने की जल्दी में रहते हैं इससे सरकारी कामकाज में लेट-लतीफी होती है,ऐसे अधिकारियों पर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न होने से इनके कानों में जूं नहीं रेंगती।अच्छा हो जो तत्काल प्रभाव से सभी अप डाउन पर अविलंब रोक लगे जिससे जनता के कार्यों में आसानी हो।